जनसम्पर्क कार्यालय: एमपी पावर मैनजमेंट कंपनी लिमिटेड,जबलपुर

समाचार

पावर ट्रांसमिशन कंपनी इस कैलेण्डर वर्ष में 31 नए सब-स्टेशन बनाएगी
जिसमें से 18 नए सब-स्टेशन बन कर चार्ज हो चुके हैं
राज्य के तीन महानगरों में पहली बार जीआईएस बेस्ड सब-स्टेशन बनेंगे – श्री बेंडे

जबलपुर, 31 अगस्त। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक श्री पी.ए.आर. बेंडे ने जानकारी देते हुए बताया कि ट्रांसमिशन कंपनी ने इस कैलेण्डर वर्ष में 31 नए सब-स्टेशन बनाने का लक्ष्य रखा है। अब तक हम 31 में से 18 सब-स्टेशन बनाकर चार्ज कर चुके हैं। अगस्त माह में ही दमोह जिले में 132 केवी पटेरा सब-स्टेशन सफलतापूर्वक चार्ज हुआ। कंपनी ने जुलाई 2018 में 6 नए सब-स्टेशन चार्ज करने का कीर्तिमान रचा है। 31 जुलाई को खुनेर सब-स्टेशन को चार्ज करने में टेस्टिंग एवं ईएचटी विंग के लोगों ने रात तीन-तीन बजे तक लगातार कार्य करते हुए लक्ष्य हासिल किया। श्री बेंडे ने बताया कि केवल एक कैलेण्डर वर्ष में हम 31 सब-स्टेशन बनाने का इतिहास रच पाएंगे अपितु समन्वित प्रयास से आने वाले वर्षों में प्लान किए गए 100 सब-स्टेशन एवं संबंधित लाइनों का निर्माण भी समय-सीमा में कर पाएंगे। कंपनी पहली बार 400 केवी एवं 220 केवी के एक-एक उपकेन्द्र तथा लाइन का निर्माण टीबीसीबी रूट के माध्यम से करने का निर्णय लिया है इसके लिए राज्य शासन की मंजूरी भी मिल गई है तथा बिड प्रोसेस कोआर्डिनेटर ने निविदा भी जारी कर दी है।

समय पर रखरखाव करें ताकि लोड बढ़ने पर पारेषण प्रणाली में व्यवधान न हो- विगत 5 वर्षों में लाइन लॉस एवं प्रणाली उपलब्धता में हम नियामक आयोग द्वारा दिए गए लक्ष्य से ऊपर रहे हैं। परन्तु हमें पारेषण हानि कम करने एवं प्रणाली की उपलब्धता को ज्यादा से ज्यादा बढ़ाने का प्रयास करते रहना है। त्यौहारों पर एवं दीपावली के बाद रबी सीजन का लोड बढ़ने लगेगा। इस वर्ष रबी सीजन में बिजली का लोड अधिकतम 13000 मेगावाट तक जाना अनुमानित है। इस हेतु रख-रखाव टीम को समय से सब-स्टेशन एवं लाइनों के रख-रखाव करना होगा, ताकि पारेषण प्रणाली में कोई व्यवधान न हो।

उपकरणों को कम समय में बदलने का चुनौतीपूर्ण कार्य- श्री बेंडे ने बताया कि परीक्षण एवं संचार संकाय को भी पीएसडीएफ स्कीम के अंतर्गत ट्रांसमिशन नेटवर्क में स्थापित पुरानी तकनीक एवं अपर्याप्त फाल्ट क्षमता के विद्युत उपकरणों को भारी मात्रा में आधुनिक एवं वर्तमान सिस्टम में उपयोग लायक नए उपकरणों से अत्यंत कम समय में बदलने का कठिन एवं चुनौतीपूर्ण कार्य करने के लिए भी बधाई देता हूं। 400 केवी के उपकरणों को पीएसडीएफ के माध्यम से बदलने में तेजी लाने की आवश्यकता है जो परीक्षण एवं संचार टीम के लिए एक चुनौती है। मुझे उम्मीद है कि इसे हम शीघ्र पूर्ण कर लेंगे।

ईआरपी के कार्य को प्राथमिकता दें- ईआरपी का "गो लाइव" सितंबर 2018 में एवं फरवरी 2019 में "रोल आउट" होना है। ईआरपी हेतु जितनी मेहनत करेंगे एंव सही डाटा दे पाएंगे उतना ही आगे आपका काम आसान होगा। ईआरपीईआरपी की सफलता सबकी सहभागिता से ही संभव

मास्टर टेलीकाम प्रोजेक्ट पूर्णता की ओर- श्री बेंडे ने बताया कि पावर ग्रिड के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा मास्टर टेलीकाम प्रोजेक्ट अब पूर्णता की स्टेज पर है। इसके पूर्ण होते ही डाटा रिलायबिलिटी एंड टेलीकम्युनिकेशन में हमें मदद मिलेगी। इसी प्रकार संपूर्ण ट्रांसमिशन प्रणाली में अप्टिकल फाइबर आधारित वाइड बेंड संचार प्रणाली की स्थापना के पीएसडीएफ में 50 प्रतिशत ग्रांट स्वीकृत हुई है। इस प्रणाली के क्रियान्वयन के पश्चात् हमारे सभी उपकेन्द्र स्वयं ही वाइड बेंड एस संचार प्रणाली से जुड़ जाएंगे तथा भविष्य में हम इससे बिजनेस मॉडल बनाएंगे।

ट्रांमिशन एसेट मैपिंग का चुनौतीपूर्ण कार्य हमने शुरू किया है तथा नई तकनीक का उपयोग ट्रांसमिशन प्रणाली के सुचारू संचालन का कार्य हमारे संबंधित विभाग प्रमुखों की प्राथमिकता में शामिल हो चुका है।

जीआईएस बेस्ड तीन सब-स्टेशन बनेंगे- हमें समयानुसार केवल नई तकनीक लानी होगी अपितु अपना नॉलेज भी समय के साथ अपडेट रखना होगा। जहां तक नई तकनीक का प्रश्न है हम जीआईएस बेस्ड तीन सब-स्टेशन जबलपुर, भोपाल एवं इंदौर में बनाने जा रहे हैं। सब-स्टेशन बनाने से पहले इसकी तकनीक समझने हेतु हाल ही में हमने सीबीआईपी के सहयोग से एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया है एवं इसी माह नैरो बेस्ड टावर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में हमें देश की अच्छी से अच्छी फैकल्टी मिल रही

ट्रांसमिशन कंपनी ने अधीक्षण अभियंता श्री गार्गव द्वारा तैयार की गई ईएचटी सब-स्टेशन में परिचालन प्रक्रिया की वीडियो की सीडी में उपकेन्द्रों की समस्त संचालन प्रकियाओं को विभिन्न वीडियो के माध्यम से समझाया गया है क्योंकि आडियो विजुअल टेक्नीक सीखने का सबसे सशक्त माध्यम होता है। यह हमारे कर्मियों के साथ-साथ आउटसोर्स कर्मियों हेतु भी मददगार साबित होगी। आप सब इसका भरपूर लाभ लें।

राज्य भार प्रेषण केन्द्र ने बैकअप एसएलडीसी भोपाल से आपदा प्रबंधन के अंतर्गत लगातार 5 घंटे भार प्रेषण केन्द्र के फंक्शन पूर्णत: कियान्वित किए। ऐसा करने वाला यह देश का दूसरा राज्य भार पेषण केन्द्र हैं। मैं संपूर्ण एसएलडीसी टीम को इसके लिए बधाई देता हूं।

सिस्टम की विश्वसनीयता और सुरक्षा हेतु शीर्ष तकनीकी संस्थानों का सहयोग लेंगे- पिछली बार मैंने शीर्ष तकनीकी संस्थानों के साथ सहयोग की भी बात की थी। हम आईआईटी मुंबई के साथ 400 केवी बीना उपकेन्द्र में एक तकनीकी स्टडी कर रहे हैं ताकि सिस्टम की विश्वसनीयता एवं सुरक्षा और अधिक सुदृढ़ करने में मदद मिले। इसी प्रकार लोड फोरकास्ट साफ्टवेयर बनाने पर आईआईआईटीडीएम के साथ बात चल रही है। शीर्ष तकनीकी संस्थानों के साथ हमारी भागीदारी की पहल का यह प्रयास है और इसके परिणाम भी मिलेंगे।

समाचार क्रमांक: 415/2018

(राकेश पाठक)
वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी